RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार, 21 अक्टूबर 2022 वर्ष 04 अंक 160 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

# दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

## आरसीएफ कंपनी के रेफ्रिजरेशन प्लांट में विस्फोट होने से तीन लोगों की मौत!

**मुंबई :** अलीबाग स्थित आरसीएफ कंपनी के रेफ्रिजरेशन प्लांट में विस्फोट होने से तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि आठ कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नई मुंबई और मुंबई में उपचार के लिए भर्ती किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार अलीबाग के थल स्थित आरसीएफ प्लांट में विस्फोट होने से मृत लोगों में दिलशाद आलम इद्रिसी (२९), फैजान शेख (३३), अंकित शर्मा (२७) की मौत हो गई है, जबकि अतिंद्र, जितेंद्र शेलके, साजिद सिद्दिक सलामती, जितेंद्र और साजिद सिद्दीकी घायल हो गए हैं। करीब पांच बजे अचानक धमाका हुआ। इसकी सूचना मिलते ही अलीबाग अग्निशमन दल की गाड़ी तुरंत कंपनी में पहुंची। इस विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुए कर्मचारियों को कंपनी के अस्पताल ले जाया गया। उसके बाद गंभीर रूप से घायलों को आगे के इलाज के लिए नई मुंबई के ऐरोली बर्न और मुंबई के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती किया गया है।

# फोन टेपिंग मामले में IPS रश्मि शुक्ला को राहत...!

## महाराष्ट्र सरकार ने मुकदमा चलाने से किया इनकार

**मुंबई :** पुलिस अधिकारी रश्मि शुक्ला को बड़ी राहत मिली है. फोन टेपिंग केस में महाराष्ट्र सरकार ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने से इनकार कर दिया है. उन पर संजय राउत और एकनाथ खडसे जैसे नेताओं के फोन टेप करवाने के आरोप लगे थे. महाराष्ट्र सरकार में उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से कहा कि आईपीएस रश्मि शुक्ला के खिलाफ फोन टेपिंग के मामले में सबूत के तौर पर कुछ जेरोक्स कॉपी भर है. उन्होंने किसी का फोन टेप करवाया इसके कोई ठोस सबूत नहीं हैं. उन्हें टारगेट किया गया है.

मुंबई के कोलाबा पुलिस स्टेशन में कुछ नेताओं के फोन टेप करवाने के आरोप में रश्मि शुक्ला के खिलाफ केस दर्ज किया गया था. इस संबंध में चार्जशीट भी दायर करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के गृहविभाग की ओर से परमिशन लेटर भेजा गया था. इस दौरान सरकार बदल गई. अब गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन पर केस चलाने से इनकार कर दिया. अब रश्मि शुक्ला को मुंबई पुलिस में बड़ी जिम्मेदारी मिलने की भी संभावना जताई जा रही है. वे देवेंद्र फडणवीस की करीबी बताई जाती हैं अब जो जानकारी सामने आ रही है उसके तहत पुलिस कोर्ट में अपनी रिपोर्ट पेश करेगी और चार्जशीट वापस लेगी. महा विकास आघाड़ी सरकार के वक्त यह मामला काफी तूल पकड़ा था. शिवसेना सांसद संजय राउत, एनसीपी नेता एकनाथ खडसे ने आरोप लगाया था कि उनके फोन टेप किए गए हैं.

**'जब मिले शुक्ला और फडणवीस, तभी समझा कि मिलेगी क्लीन चिट'**

इस बीच इस मामले में एनसीपी नेता एकनाथ शिंदे ने बेहद तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा है कि सरकार बदलने के बाद जब रश्मि शुक्ला देवेंद्र फडणवीस से जाकर मिली थीं, तभी यह आइडिया लग गया था कि उन्हें क्लीन चिट मिलने वाला है. इसलिए रश्मि शुक्ला को क्लीन चिट दिए जाने से उन्हें हैरानी नहीं हुई है. ये तो होना ही था.

आईपीएस रश्मि शुक्ला के खिलाफ साल 2021 में पहले मुंबई पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने केस दर्ज किया था. बाद में यह केस कोलाबा पुलिस को सौंप दिया गया था. कोलाबा पुलिस ने इस मामले में 700 पन्नों की चार्जशीट पेश की थी.

# महाराष्ट्र में शिंदे सरकार का बड़ा फैसला

## आंदोलन से संबंधित दर्ज सभी केस लेगी वापस

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए 30 जून, 2022 तक राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर आंदोलन से संबंधित सभी आपराधिक मामलों को वापस लेने का फैसला किया है। राज्य में जब से एकनाथ शिंदे की सरकार आई तब से अब तक कई बड़े फैसले ले चुकी है। हालांकि, केस से संबंधित पूरी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। जल्द ही सरकार की ओर से इस संबंध में पूरी विस्तृत जानकारी सामने आ जाएगी।

राज्य की पिछली महा विकास अघाड़ी सरकार ने भी कथित तौर पर राजनीतिक और सामाजिक कार्यकताओं के खिलाफ दर्ज मामले को वापस लेने का प्रस्ताव रखा था और इस साल की शुरूआत में प्रशासनिक समितियों को इस पर चर्चा के लिए अधिकृत किया था। तब जिन केसों को वापस लेने का प्रस्ता था वे जनवरी 2020 और दिसंबर 2021 के बीच दर्ज हुए थे। इस फैसले के साथ शिंदे कैबिनेट ने अल्पसंख्यक विकास विभाग के एक प्रस्ताव को मंजूरी दी है जिसमें विदर्भ, मराठवाड़ा और उत्तरी महाराष्ट्र क्षेत्रों में 2800 स्वयं सहायता समूह बनाए जाएंगे और 1500 अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाएगा। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी गठबंधन की सरकार थी। इसमें शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी शामिल थे। इसके बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 40 विधायकों ने यह कहते हुए बगावत कर दिया कि यह गठबंधन प्रकृति के खिलाफ है। उनका कहना था कि शिवसेना ने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। इसलिए सरकार भी भाजपा के साथ बननी चाहिए। इसके बाद शिंदे गुट को समर्थन देकर भाजपा ने महाराष्ट्र में सरकार बनवाई। तभी से उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुट के बीच असली शिवसेना और इसके चुनाव निशान को लेकर लड़ाई जारी है।

## महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को मिलेगी जमानत या अभी रहना होगा जेल में, विशेष अदालत सुनाएगी फैसला

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख द्वारा दायर जमानत याचिका पर कल यानि शुक्रवार को विशेष अदालत अपना आदेश पारित करेगी। अनिल देशमुख पर लगे भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग मामले की जांच सीबीआइ कर रही है। मालूम हो कि देशमुख (71) ने अपने ऊपर लगे इस मामले में जमानत मांगी थी। इससे पहले मुंबई हाई कोर्ट ने उन्हें 4 अक्टूबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके खिलाफ दर्ज एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दी थी। विशेष सीबीआई अदालत के न्यायाधीश एस एच ग्वालानी ने गुरुवार को जमानत याचिका पर दलीलों पर सुनवाई पूरी की, जमानत दिए जाने के आदेश को उन्होंने रोक लिया है, इस पर वो शुक्रवार को फैसला सुनाएंगे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता अनिल देशमुख को 2021 में 2 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था, इसी के बाद से वो न्यायिक हिरासत में हैं। इस बीच वो बीमार भी हो गए थे, इस वजह से उन्हें पिछले हफ्ते कोरोनरी एंजियोग्राफी के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां पर उनका इलाज हुआ। मालूम हो कि अनिल देशमुख मुंबई में पिछली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार में मंत्री थे, जिसमें शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस शामिल थीं। इन दिनों भ्रष्टाचार और पद का दुरुपयोग मामले में वो मुंबई की आर्थर रोड जेल में बंद हैं। मार्च 2021 में, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी परम बीर सिंह ने आरोप लगाया था कि तत्कालीन गृह मंत्री देशमुख ने पुलिस अधिकारियों को मुंबई में रेस्तरां और बार से प्रति माह 100 करोड़ रुपये इकट्ठा करने का लक्ष्य दिया था।

# महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला

## उपग्रहों की मदद से करेगी फसल को हुए नुकसान का आकलन

**मुंबई :** महाराष्ट्र सरकार विभिन्न कारणों से फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए उपग्रहों के इस्तेमाल की योजना बना रही है। इससे किसानों को मुआवजे के भुगतान में भी तेजी आएगी। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राज्य प्रशासन ने बुधवार को इस विषय पर राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष एक प्रस्तुति दी, जिसके बाद फडणवीस ने अधिकारियों से प्रस्ताव पर आगे की कार्यवाही करने को कहा। फडणवीस ने यहां एक समारोह के दौरान योजना के संबंध में कहा कि उपग्रह का इस्तेमाल कर फसल क्षति का आकलन और मुआवजा की प्रक्रिया इस क्षेत्र में बड़ा बदलाव साबित होगा। उन्होंने कहा कि उपग्रह चित्रों की मदद से फसल को हुए नुकसान की गंभीरता का पता चलने के साथ ही किसानों को भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सकेगी।

फडणवीस ने कहा, ''कल मैंने जिस प्रस्तुति में भाग लिया वह इस प्रस्ताव के बारे में थी। योजना में कुछ त्रुटियां और तकनीकी खामियां थीं, जिन्हें मैंने दूर करने को कहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली में मानवीय हस्तक्षेप कम से कम होगा। मौजूदा प्रक्रिया के अनुसार, सरकार एक लिखित आदेश जारी कर राजस्व अधिकारियों को प्रभावित खेतों का दौरा करने, इसका सर्वेक्षण करने और फिर एक क्षति आकलन रिपोर्ट जमा करने के लिए कहा जाता है।रिपोर्ट को तहसील से जिले और फिर राज्य स्तर पर भेजा जाता है, जिसके बाद फसल के महत्व और इसकी उत्पादन लागत के आधार पर सरकार आर्थिक मुआवजे की घोषणा करती है।

## संपादकीय / लेख

# कांग्रेस में चुनाव

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

इक्कीसवीं सदी में पहली बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए सफलतापूर्वक हुआ चुनाव अन्य सभी पार्टियों के लिए भी महत्व रखता है। देश की इस सबसे पुरानी पार्टी में अनेक बार राष्ट्रीय अध्यक्ष को मतदान से चुना गया है, लेकिन आज जिस मोड़ पर कांग्रेस खड़ी है, वहां इस चुनाव का महत्व पहले से कहीं ज्यादा है। राष्ट्रीय स्तर पर दो लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन ऐसा बुरा रहा है कि नेता प्रतिपक्ष पद के स्वाभाविक सम्मान से भी पार्टी वंचित रही है। करारी हार ने ही राहुल गांधी को अध्यक्ष पद से हटने के लिए एक तरह से विवश किया था। राहुल गांधी नेतृत्व संभालने से बच रहे थे और सोनिया गांधी को मजबूरी में नेतृत्व प्रदान करने के लिए आगे लाया गया। धीरे-धीरे पार्टी नेतृत्व पर दबाव पड़ा और स्वस्थ परंपरा को याद करते हुए पार्टी ने अध्यक्ष पद के लिए चुनाव का सहारा लिया। इसमें कोई दोराय नहीं कि कांग्रेस ने दूसरी पार्टियों के सामने एक मिसाल पेश की है। लोकतंत्र का तकाजा यही है कि सभी पार्टियों में आंतरिक स्तर पर संगठन चुनाव होने चाहिए।

कांग्रेस पर अक्सर वंशवाद या परिवारवाद का आरोप लगता है, यह कांग्रेस का एक पहलू है, लेकिन गांधी परिवार ने जिस तरह से चुनाव के लिए रास्ता तैयार किया है, वह काबिलेगौर है। कांग्रेस में ऐसे नेता बहुतायत में हैं, जिनकी दिली इच्छा यही है कि गांधी परिवार से ही कोई सदस्य अध्यक्ष रहे। दिलचस्प है कि इस चुनाव में जब दो ही नेता खड़े थे, तब भी अनेक कांग्रेसियों ने मतपत्र पर राहुल गांधी का नाम लिख दिया। दल के नए अध्यक्ष पर अब जिम्मेदारी होगी कि वह पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए हर मुमकिन काम करें। यह बहुत अच्छी बात है कि चुनाव के बावजूद पार्टी में कहीं भी कटुता नहीं बढ़ी है। मल्लिकार्जुन खड़गे को 7,897 वोट और शशि थरूर को 1,072 वोट मिलने का संदेश स्पष्ट है कि कांग्रेसजनों ने तुलनात्मक रूप से वरिष्ठता, अनुभव और निष्ठा का पक्ष लिया है। खड़गे की जीत वास्तव में कांग्रेस संस्कृति की ही जीत है और आज के समय में खड़गे में वह दमखम है कि वह पार्टी में समन्वय के साथ चलते हुए बदलाव ला सकते हैं। दूसरी ओर, शीर्ष संगठनात्मक चुनाव में शशि थरूर की मौजूदगी अपने आप में प्रमाण है कि आज भी पढ़े-लिखे, साहित्यकार और दांवपेच न करने वाले नेता अप्रासंगिक नहीं हुए हैं। शशि थरूर अपनी बात रखने में पीछे नहीं रहते हैं और उन्होंने चुनाव को लेकर कुछ शिकायतें भी मुखरता से जाहिर की थीं, जिनका समाधान पार्टी ने आसानी से कर दिया। थरूर ने चुनाव में हार भी स्वीकार कर ली है और खड़गे को बधाई भी दी है। आगे अगर थरूर से बेहतर व्यवहार होगा, तो इससे कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र को बल मिलेगा।

बहरहाल, कांग्रेस में हुए इस चुनाव ने राहुल गांधी को यह पूछने का मौका दे दिया है कि कांग्रेस अकेली ऐसी पार्टी है, जहां चुनाव होते हैं। क्या वाकई भारत में किसी पार्टी में लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव नहीं होते हैं? इसमें कोई दोराय नहीं कि आंतरिक चुनाव अगर होंगे, तो राजनीतिक दलों को ज्यादा योग्य और हकदार नेता हासिल होंगे। ऐसे चुनावों की परंपरा अगर मजबूत होगी, तो राजनीति का चरित्र भी बदलेगा। राजनीति को धन या भुजबल के प्रभाव से मुक्ति मिलने की सूरत बनेगी और जमीनी स्तर पर सेवाभावी ढंग से काम करने वाले नेताओं को आगे आने के ज्यादा मौके मिलेंगे।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

# नशे में धुत युवक चढ़ गया स्काईवॉक की छत पर...

## बचाने का वीडियो देख खड़े हो जाएंगे रोंगटे

**मुंबई :** मुंबई से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें स्काईवॉक की छत पर चढ़े युवक को पुलिस द्वारा बचाया जाता है. मामला बुधवार सुबह करीब 7.30 बजे नाना चौक स्काईवॉक का है. पुलिस के मुताबिक, 24 वर्षीय युवक नशे की हालात में स्काईवॉक की छत पर चढ़ गया था. स्काईवॉक की छत पर युवक के चढ़ने की जानकारी मिलते ही गांव देवी पुलिस और दमकल विभागकर्मी वहां पहुंच गए. इसके बाद युवक को समझाकर नीचे उतारने की कोशिश की गई. पुलिसकर्मियों ने युवक को काफी समझाया, लेकिन वह समझने को तैयार नहीं था. तकरीबन डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद पुलिसवाले उसे बातों में बहलाकर आखिरकार पकड़ने में कामयाब रहे.

जोन 2 के डीसीपी निलोतप्ल के मुताबिक, युवक का नाम शकील आहिया है और वो नशे में था. उसके खिलाफ एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है. वीडियो में देखा जा सकता है कि स्काईवॉक की छत पर एक युवक चढ़ा हुआ है. वहीं, उससे कुछ दूरी पर छत पर ही चार लोग खड़े हैं, जो कि पुलिसकर्मी या दमकल विभागकर्मी हैं. वह उस युवक को समझाने की कोशिश करते हुए दिख रहे हैं. तभी उनमें से एक ने युवक का हाथ पकड़ा और अपनी ओर खींच लिया. इसके बाद चारों लोगों ने मिलकर उसे दबोच लिया और उसे नीचे उतार लिया. इस दौरान स्काईवॉक के नीचे गाड़ियों और कारों की भीड़ दिख रही है. जब युवक को छत पर समझाने की कोशिश की जा रही थी, वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ लोग जाल जैसी कोई चीज फैलाकर नीचे खड़े हुए थे. ताकि अगर युवक ऊपर से गिरता है तो उसे जमीन पर गिरने से बचाया जा सके.

# मुंबई में ऊंची इमारत से कूदकर बिल्डर ने की आत्महत्या...!

**मुंबई :** मुंबई में एक जाने माने रियल एस्टेट डेवलपर ने एक इमारत की 23वीं मंजिल से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बिल्डर पारस पोरवाल ने यह कदम क्यों उठाया, इसका पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि घटना मध्य मुंबई के कालाचौकी इलाके में सुबह हुई जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

# अदालतों में लंबी छुट्टियों के खिलाफ PIL, बॉम्बे हाईकोर्ट दिवाली अवकाश के बाद करेगी सुनवाई!

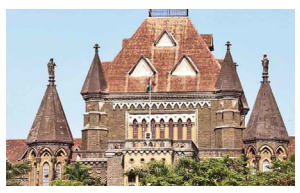

**मुंबई :** अदालतों में लंबी छुट्टियों के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस पर सुनवाई दिवाली अवकाश के बाद होगी। पीआईएल में कहा गया है कि कोर्टों में लंबे अवकाश की परंपरा के कारण केस दायर करने व उनकी सुनवाई प्रभावित होती है। गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने याचिका पर संज्ञान लेते हुए कहा कि वह इस पर दीपावली अवकाश के बाद ही विचार करेगी। बॉम्बे हाईकोर्ट में 22 अक्तूबर से 8 नवंबर तक दिवाली अवकाश है। यह पीआईएल सबीना लकड़ावाला ने दायर की है। याचिका में दावा किया गया है कि हाईकोर्ट द्वारा ली जाने वाली लंबी छुट्टियों से वादियों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है, जो न्याय पाना चाहते हैं। लकड़ावाला के वकील मैथ्यूज नेदुमपारा ने कहा कि याचिकाकर्ता जजों द्वारा छुट्टियां लिए जाने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन न्यायपालिका के सदस्यों को एक साथ छुट्टी नहीं लेनी चाहिए, ताकि अदालतें पूरे साल काम करती रहें। नेदुमपारा ने गुरुवार को जस्टिस एस वी गंगापुरवाला और न्यायमूर्ति आर एन लड्ढा की खंडपीठ के समक्ष इस याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए अर्जी का उल्लेख किया। इस पर पीठ ने वकील से पूछा कि जनहित याचिका अब क्यों दायर की गई जब 2022 के लिए हाईकोर्ट का कैलेंडर पिछले साल नवंबर में ही जारी कर दिया गया था? इसके बाद पीठ ने कहा कि वह 15 नवंबर को इस याचिका की सुनवाई करेगी। बता दें, हाईकोर्ट में हर साल तीन लंबी छुट्टियां होती हैं। ये हैं- गर्मी की छुट्टी (एक महीने), दिवाली की छुट्टी (दो सप्ताह) और क्रिसमस की छुट्टी (एक सप्ताह)। छुट्टियों के दौरान हाईकोर्ट में तत्काल न्यायिक कार्य के लिए विशेष अवकाशकालीन पीठ उपलब्ध रहती है।

# डीजल पर डाका, आरपीएफ ने किया गिरफ्तार

**मुंबई :** पश्चिम रेलवे के रेल पथ के काम में इस्तेमाल होनेवाले डीजल का गोरखधंधा किए जाने का खुलासा आरपीएफ ने किया है। रेलवे का कॉन्ट्रैक्टर विभाग के ही डीजल पर डाका डालता था। हद की बात तो यह है कि उसका साथ रेलवे का एक अधिकारी देता था। इस मामले में आरपीएफ ने जोगेश्वरी एटी से एक व्यक्ति को गिरफ्तार करते हुए आठ ड्रम डीजल बरामद किया है।

मिली जानकारी के अनुसार पश्चिम रेलवे के जोगेश्वरी एटी में रेलवे के एक ठेकेदार द्वारा दादर से गाड़ियों में डीजल से भरा ड्रम लाया गया था। इसकी जानकारी आरपीएफ को होते ही टीम पहुंचकर डीजल से भरे आठ ड्रम बरामद कर लिया। आरपीएफ ने उसे जप्त करते हुए ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ में इस काम में शामिल रेलवे के एक अधिकारी का भी नाम सामने आया है। हालांकि अभी तक आरपीएफ द्वारा उस पर कार्रवाई नहीं की गई है। आरपीएफ द्वारा इस मामले की जांच जारी है।

सूत्रों की मानें तो गिरफ्तार आरोपी पश्चिम रेलवे में ठेकेदार है, उसकी कई गाड़ियां चलती हैं। वो दादर रेल पथ के कुछ अधिकारियों से मिलकर इस गोरखधंधा को पिछले काफी समय से अंजाम दे रहा था। फिलहाल आरपीएफ इसकी जांच में जुटी है। सूत्रों की मानें तो बरामद किए गए डीजल का प्रयोग दादर रेल पथ के काम में होता था। उसके लिए रेलवे की तरफ से भेजे गए डीजल का इस्तेमाल न करके उसे बेच दिया जाता था। ठेकेदार द्वारा अपने गाड़ियों में डीजल का इस्तेमाल किया जाता था। पश्चिम रेलवे आरपीएफ डीएससी ने बताया कि फिलहाल इस मामले में आरपीएफ और रेलवे क्राइम ब्रांच जांच में जुटी है।

# MNS ने फिर लिखा गृहमंत्री, फडणवीस को पत्र-पुलिसकर्मियों को बोनस देने की मांग की



**मुंबई :** देश में दिवाली की धूम मची है।राज्य में सरकारी कर्मचारियों को बोनस दिया जा रहा है। वहीं, प्राइवेट क्षेत्र, कॉरपोरेट कंपनियां भी कर्मचारियों और कामगारों को दिवाली का बोनस देती हैं। लेकिन, इन सब में महाराष्ट्र पोलिस को सबने अनदेखा कर दिया है।दिन रात अपनी जान की फिक्र न करते हुए बस जनता की सेवा लड़ने वाले पुलिसकर्मियों को न बोनस मिला और ना ही एडवांस पेमेंट। ऐसे में अब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने राज्य के गृहमंत्री और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पुलिसकर्मियों को बोनस देने की मांग की है। हाल ही में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के महासचिव मनोज चव्हाण ने उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है। उन्होंने इस पत्र के माध्यम से मांग की है कि, जो हमेशा सतर्क और काम करते हैं, चाहे वह त्योहार हो या कोई विपदा जो कभी नहीं थकता। ऐसे महाराष्ट्र के पोलिसकर्मियों को को बोनस देकर उनकी दिवाली भी खुशियों से भर दें।

उन्होंने अपने पत्र में आगे लिखा कि, महाराष्ट्र पुलिस अधिकारी त्योहारों, समारोहों, प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी गतिविधियों के दौरान ड्यूटी पर रहते हैं। भीड़ में वर्दी होने के कारण धर्म का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इसलिए त्योहारी सीजन में महाराष्ट्र पुलिस को भी खुश रहने का मौका दिया जाएं। मनोज चव्हाण ने इस पत्र के माध्यम से मांग की है कि इस साल दिवाली पर पुलिसकर्मियों को बोनस दिया जाए। इस बीच कुछ दिन पहले मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर मांग की थी कि भाजपा अंधेरी उपचुनाव न लड़े, जिसकी मांग भी मान ली गई।

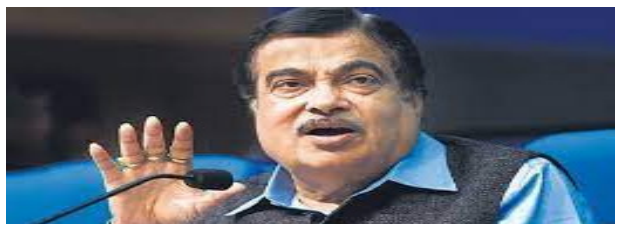

# दिल्ली से मुंबई 12 घंटे में पहुंचाने वाले एक्सप्रेसवे के प्रगति की नितिन गडकरी ने दी जानकारी



**नई दिल्ली :** दिल्ली से मुंबई तक 12 घंटे में पहुंचाने वाले दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है. पूरा काम दो फेस में किया जा रहा है. दिल्ली से बड़ोदरा और बड़ोदरा से मुंबई तक. सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पहले फेस दिल्ली से बड़ोदरा तक एक्सप्रेसवे के प्रगति की जानकारी दी. नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया में फोटो के साथ जानकारी साझा की.

उन्होंने बताया कि यह वर्ल्ड क्लास एक्सप्रेसवे नए भारत के आर्थिक प्रगति में सहायक बनेगा. दिल्ली से मुंबई 8 लेन का एक्सप्रेसवे देश की राजधानी दिल्ली को आर्थिक राजधानी मुंबई से जोड़ेगा. दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे हरियाणा, गुरुग्राम के राजीव चौक से शुरू होकर मेवात, जयपुर कोटा, भोपाल,अहमदाबाद होते हुए मुंबई जाएगा. सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार दिल्ली से मुंबई जाने में 20 घंटे के बजाए 12 घंटे ही लगेंगे. इस तरह एक्सप्रेस वे से लोग अपने निजी वाहनों से आसानी से जा सकेंगे. इससे न केवल उनका समय बचेगा, बल्कि लोगों की ट्रेनों और फ्लाइट पर से निर्भरता भी कम होगी. ऐसे में ट्रेन की बजाय लोग सड़क मार्ग का विकल्प चुन सकेंगे. मौजूदा समय दिल्ली-मुंबई की सड़क से 1450 किलोमीटर की दूरी है. एक्सप्रेस-वे से यह दूरी घटकर 1350 रह जाएगी. जनवरी 2023 तक यह एक्सप्रेस को तैयार करने का लक्ष्य है. मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेसवे को जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट तक बढ़ाया जाएगा.

**माल ढुलाई का खर्च कम होगा**

1350 किमी लंबे एक्सप्रेस वे शुरू होने के बाद रोजाना 8.76 लीटर और सालाना करीब 320 मिलियन लीटर पेट्रोल की बचत होगी. सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार इस एक्सप्रेसवे से माल ढुलाई करने पर खर्च कम आएगा. इस तरह एक्सप्रेस वे और आसपास पड़ने वाले शहरों में लाजिस्टिक खर्च 8 से 9 फीसदी की बचत होगी.

नेशलन हाईवे अथारिटी आफ इंडिया के अनुसार एक्सप्रेसवे को इस तरह डिजाइन किया जा है कि जरूरत पड़ने पर आसानी से इसे 8 लेन से 12 लेन का किया जा सके. इसके अलावा 1350 किमी का यह एक्सप्रेस वे 20 किमी रिजर्व फारेस्ट से जाएगा. यानी पेड़ों को कम से कम काटना पड़ेगा.

# शिवसेना शाखा पर कब्जे को लेकर भिड़े शिंदे और उद्धव ठाकरे समर्थक, FIR दर्ज...!

**मुंबई :** मुंबई से तकरीबन 100 किलोमीटर दूर पालघर जिले में बीती रात मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट और उद्धव ठाकरे गुट के कार्यकर्ता आपस में भीड़ गए। दरअसल दोनों में टकराव की वजह एक शिवसेना शाखा थी। जिसपर दोनों ही गुट कब्जा करना चाहते थे। इस मामले में आधी रात बोइसर पुलिस स्टेशन में उद्धव ठाकरे गुट के 11 कार्यकताओं पर मुकदमा दर्ज किया गया है। बीती शाम इलाके में तनाव का माहौल बन गया था। हालांकि बाद में पुलिस ने स्थिति पर काबू पा लिया था।

# मुंबई में बिना लाइसेंस पटाखों की बिक्री करने पर होगी कार्रवाई

**मुंबई :** देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बिना अनुमति पटाखों की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। मुंबई पुलिस ने बुधवार को बताया कि जिनके पास लाइसेंस नहीं है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली में पटाखों की बिक्री या भंडारण करने पर पांच हजार रुपये का जुमार्ना देना पड़ सकता है और तीन साल की सजा हो सकती है। दिवाली पर पटाखों की बिक्री पर सख्ती की वजह से प्रदूषण में कमी आ सकती है।

**अवैध पटाखों के उत्पादन व बिक्री करने वालों पर सख्ती**

अवैध पटाखों के उत्पादन व बिक्री करने वालों के खिलाफ दिल्ली पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।इसी कड़ी में उत्तरी जिले के वाहन चोरी निरोधक दस्ता ने सोमवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 250 किलो अवैध पटाखे जब्त किए हैं। उत्तरी जिले के डीसीपी सागर सिंह कलसी के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपितों के नाम इशांत व इशान हैं। दोनों संत नगर, करनाल, हरियाणा के रहने वाले हैं। ये लाहौरी गेट चौक के पास गली में पटाखों के गुप्त भंडारण में शामिल पाए गए। ये दीवाली उत्सव के दौरान अधिक कीमत पर पटाखे बेचने की योजना बना रहे थे। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति और वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से हाल ही में जारी निदेर्शों के मद्देनजर अवैध पटाखों की बिक्री और भंडारण पर अंकुश लगाने के लिए उत्तरी जिला पुलिस लगातार नजर रखे हुए हैं। सोमवार को पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोग लाहौरी गेट चौक के पास पीली कोठी इलाके में अवैध पटाखों का भंडारण किया हुआ है। एसीपी धर्मेंद्र कुमार व इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में एएसआइ दिनेश कुमार, हवलदार प्रवीण, रविंदर ढाका व राकेश की टीम ने छापा मारकर दोनों को दबोच लिया।

# वानवडी के भैरोबा नाले का पुल तोड़ा जाएगा

**पुणे:** वानवडी परिसर के गंगा सैटेलाइट हाउसिंग सोसायटी के पास भैरोबा नाले पर 100 वर्ष पुराना पुल गिराया जाएगा। बारिश के कारण भैरोबा नाले पर पानी आने पर इस पुल से होकर भारी मात्रा में पानी बहने लगता है। इसकी वजह से कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। पुणे महानगरपालिका की तरफ से 27 अक्टूबर को पुराने पुल को गिराया जाएगा। इसके तुरंत बाद नया पुल बनाया जाएगा। नया पुल 24 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा होगा। पुराने पुल की तुलना में नए पुल



की ऊंचाई एक से डेढ़ मीटर बढ़ाई जाएगी। इस पुल के निर्माण के लिए पुणे महानगरपालिका की तरफ से 3 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सोमवार की बारिश में पुल के ऊपर से बह रहा था पानी सोमवार की रात मूसलाधार बारिश के कारण सह पुल फिरं से पानी के नीचे चला गया था। पुल पर बड़ी मात्रा में कचरा और कीचड़ जमा होने से मंगलवार की सुबह तक यह पुल ट्रैफिक के लिए बंद था। सितंबर 2019 में भैरोबा नाला बाढ़ के पानी के जोरदार प्रवाह के कारण कुछ लोग बह गए थे। जोरदार बारिश के कारण हमेशा इस पुलिस से ट्रैफिक को बंद करना पड़ता है। यह पुल पुणे कैंटोन्मेंट और वानवडी परिसर को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण पुल है। इस पुल से हर दिन हजारों वाहनों का आना जाना जारी रहता है।

# मुंबई में ब्लास्ट की धमकी देने वाले के खिलाफ मामला दर्ज

## खुद को बताया सीबीआई अधिकारी...!

**मुंबई :** एक फोन कॉल के जरिए मुंबई को दहलाने की धमकी देने वाले शख्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है. मंगलवार, 18 अक्टूबर 2022 को मुंबई पुलिस को एक फोन पर धमकी मिली कि दिवाली से पहले मुंबई में तीन जगहों पर धमाके किए जाएंगे. ये धमकी पुलिस कंट्रोल रूम को फोन करके दी गई थी. इस मामले में मुंबई पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है. आजाद मैदान पुलिस ने एक अज्ञात शख्स के खिलाफ क्ढउ की धारा 505 (1)(इ), 170, 182 के तहत मामला दर्ज किया है. कॉलर ने अपने आपको सीबीआई का अधिकारी बताते हुए कहा था कि मुंबई में तीन जगह बम धमाके होने वाले हैं. ये फोन उसने हेल्पलाइन नंबर 112 पर किया था. हालांकि, अभी तक उस शख्स का पता नहीं चल पाया है. कॉलर ने दावा किया कि मुंबई के इनफिनिटी मॉल अंधेरी, ढश्फ मॉल जुहू और सहारा होटल एयरपोर्ट में बम धमाके होने वाले हैं. धमकी मिलने के बाद सहारा एयरपोर्ट पुलिस जुहू, अंबोली और बांगुर नगर पुलिस स्टेशन की टीम और उक्रत्र और इउ्रत्र की टीम ने जांच शुरू की. पुलिस ने घंटों तक उन जगह पर जांच की, लेकिन किसी भी तरह का एक्सप्लोसिव या सस्पिसियस चीज पुलिस को नहीं मिली. सूत्रों ने बताया की यह फोन कॉल 18 तारीख की रात के करीबन 10:30 बजे आया था. मुंबई पुलिस कॉलर की पहचान कर रही है ताकि आगे की करवाई की जा सके.

बता दें कि दिवाली से पहले देशभर के तमाम शहरों के बाजारों में भीड़ होती है. ऐसे में पुलिस और एजेंसियों के लिए इस तरह की धमकियां काफी अहम हो जाती हैं.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार, 21 अक्टूबर 2022



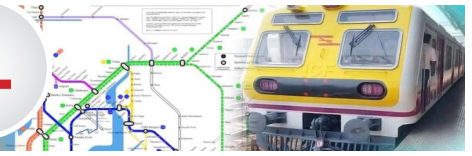

# मुंबई पुलिस ने बस्ती में सराफा कारोबारी को गिरफ्तार किया

## चोरी की ज्वेलरी खरीदने का आरोप

**मुंबई :** मुंबई पुलिस ने छावनी पुलिस के सहयोग से विक्रमजोत कस्बे के एक सराफा कारोबारी को गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि मुंबई से चोरी कर भागे युवक से उसने चोरी के जेवरात खरीदे थे। गिरफ्तार सराफा कारोबारी को मुंबई पुलिस अपने साथ ले गई है। छावनी थाना क्षेत्र के विक्रमजोत कस्बे में सराफा कारोबारी विनोद निषाद को मुंबई से आई पुलिस टीम ने छावनी पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया। मुंबई के माटुंगा थाना से आए एएसआइ विनोद रमेश पाटिल ने बताया कि परशुरामपुर थाना क्षेत्र के कोहरायें निवासी सूरज सिंह मई 2022 में वहां के मेहता फैमिली के घर से 2.5 लाख रुपये नकदी

व करीब 4.5 लाख के हीरे, सोने, चांदी के गहने चुरा कर बस्ती भाग आया था। मुंबई पुलिस उसे खोजते हुए 21 जून को परशुरामपुर थाने पर पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपित सूरज को गिरफ्तार कर मुंबई ले गई।

गरिफ्तार कर मुंबई ले गई पुलसि

पूछताछ व विवेचना के दौरान पुलिस को पता चला कि सूरज ने चुराए गए जेवरात बस्ती के ही छावनी थाना क्षेत्र के विक्रमजोत कस्बे में एक सराफा कारोबारी के पास बेंचा है। ऐसे में एक बार फिर मुंबई पुलिस बस्ती आई और छावनी थाने पर पहुंचकर थानाध्यक्ष दुर्गेश कुमार पांडेय को अपने आने का प्रयोजन बताया। बताया कि सराफा कारोबारी व उसके भाई की गिरफ्तारी होनी है। इसमें स्थानीय पुलिस की मदद चाहिए। थानाध्यक्ष ने मुंबई पुलिस के साथ थाने के कुछ पुलिस कर्मियों को विक्रमजोत कस्बा भेजा। पुलिस ने वहां पहुंचकर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ व कानूनी कार्यवाही के लिए उसे मुंबई ले गई। मौके से एक अन्य आरोपित व गिरफ्तार कारोबारी का भाई वीरेंद्र निषाद फरार हो गया।

वाल्टरगंज पुलिस ने एक युवती को शादी का झांसा देकर दो वर्ष तक उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया है। मामला वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के एक गांव का है। 20 वर्षीय पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसी के गांव का एक युवक उससे मोबाइल पर लगातार बातें करता था।

# प्रधानमंत्री मोदी पहुंचेंगे केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम

## करेंगे कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

**नई दिल्ली :** श्री बद्रीनाथ धाम के मुख्य पुजारी ईश्वरप्रसाद नम्बूथिरी ने आज बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 21 अक्टूबर को यहां आएंगे और मंदिर में दर्शन एवं पूजन भी करेंगे। उनका यह भी कहना था कि, अब इस इलाके में हुए विकास कार्यों से भविष्य में लोगों को काफी सहूलियत होंगी। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी शुक्रवार को उत्तराखंड जाएंगे। इस दौरान वे केदारनाथ और बद्रीनाथ में भी पूजा-अर्चना भी करेंगे। इसके अलावा वो यहां 34 सौ करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास भी कल करेंगे। गौरतलब है कि, प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी अब तक पांच बार केदारनाथ की यात्रा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री के रूप में वो पहली बार बीते 3 मई 2017 को

केदारनाथ गए थे। बता दें कि, इस साल केदारनाथ धाम के कपाट 27 अक्तूबर को और बदरीनाथ धाम के कपाट 19 नवंबर को बंद होंगे। प्रधानमंत्री मोदी का 'यात्रा कार्यक्रम' ढट मोदी शुक्रवार सुबह करीब 8।30 बजे केदारनाथ मंदिर पहुंचेंगे और वहां पूजा-अर्चना करेंगे। करीब 9 बजे केदारनाथ रोपवे परियोजना का शिलान्यास करेंगे। उनका आदि गुरु शंकराचार्य की समाधि पर भी जाने का कार्यक्रम है। ढट मोदी करीब साढ़े 11 बजे केदारनाथ से चलकर बद्रीनाथ पहुंचेंगे और वहां मंदिर में पूजा और दर्शन करेंगे।

# पनवेल से महाराष्ट्र एटीएस ने प्रतिबंधित पीएफआई के चार कार्यकर्ता को किया गिरफ्तार...

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने मुंबई से सटे रायगढ़ जिले के पनवेल से प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पाबंदी के बावजूद ये सभी संगठन की गतिविधियां संचालित कर रहे थे। एटीएस के अनुसार गिरफ्तार लोगों में प्रतिबंधित संगठन का पनवेल सचिव और दो अन्य कार्यकर्ता शामिल हैं। ये पनवेल में बैठक कर रहे थे। उन्हें आज सुबह करीब 4 बजे गिरफ्तार किया गया। पनवेल मुंबई से करीब 50 किलोमीटर दूर है। पूछताछ के बाद चारों को गैर कानूनी गतिविधि (रोकथाम) कानून की धारा 10 के तहत मुंबई में एटीएस की कालाचौकी इकाई में दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया। एटीएस मामले की आगे जांच कर रहा है।

केंद्र सरकार ने पिछले महीने पीएफआई और उसके कई सहयोगियों पर आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकी समूहों से संपर्क होने का आरोप लगाते हुए पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। पिछले माह पीएफआई से कथित रूप से जुड़े 250 से ज्यादा लोगों को पिछले महीने कई राज्यों में छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया था।

# पूर्व मंत्री संजय देशमुख ने किया शिवसेना में प्रवेश-उद्धव ठाकरे ने किया स्वागत

**मुंबई :** महाराष्ट्र में सियाली हलचल चल रही है। वहीं, अब पूर्व मंत्री संजय देशमुख सैकड़ों कार्यकताओं के साथ उद्धव ठाकरे की शिवसेना में शामिल हो गए हैं। संजय देशमुख ने उद्धव ठाकरे की मौजूदगी में शिवसेना में प्रवेश किया है। बता दें कि, संजय देशमुख भी पूर्व शिवसैनिक हैं। वह 1999 और 2004 में यवतमाल के दिग्रस निर्वाचन क्षेत्र से लगातार दो बार निर्दलीय के रूप में विधानसभा के लिए चुने गए थे। वह शिंदे गुट के मंत्री संजय राठौड़ के प्रतिद्वंद्वी हैं। पिछले चुनाव में देशमुख ने संजय राठौड़ के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने के बावजूद 73 हजार वोट हासिल किए थे। वहीं, अब संजय राठौड़ को हराने के लिए ठाकरे गुट की ताकत अब और बढ़ गई है। देशमुख ने पार्टी में शिवसेना के जिलाध्यक्ष के रूप में काम किया है। 1999 में, पार्टी द्वारा टिकट से वंचित किए जाने के बाद, उन्होंने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा और राकांपा के ख्वाजा बेग को केवल 125 मतों से हराकर विधायक बने। उस दौरान संजय, पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख की सरकार में राज्य मंत्री बने। 2004 में उन्हें निर्दलीय भी चुना गया था। हालांकि, साल 2009 में दिग्रस विधानसभा क्षेत्र से राठौर को जीत हासिल होने के बाद संजय देशमुख ने राजनीति से संन्यास ले लिया। हालाँकि, अब जब राठौड़ शिवसेना में शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं।

# एक साधारण फोटोग्राफर की इतनी दौलत...नितेश राणे का उद्धव ठाकरे पर हमला

**मुंबईः** महाराष्ट्र में आये दिन सियासी माहौल काफी गरमाया हुआ रहता है, ऐसे में राजनेता एक दूसरे पर तंज कसते दिखाई देते है, वही महाराष्ट्र राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके परिवार की संपत्ति की जांच की मांग को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। दादर की रहने वाली गौरी भिड़े और उसके पिता अभय भिड़े ने यह याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि उन्होंने बेहिसाब संपत्ति जमा की है। ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे को लेकर कई बातें की जा रही है। बुधवार (19 अक्टूबर) को न्यायमूर्ति

एस. गंगापुरवाला और न्यायमूर्ति आर. एन। लड्ढा की पीठ के समक्ष सुनवाई हुई। हालांकि, चूंकि कोई वकील गौरी भिड़े की याचिका को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है, इसलिए सुनवाई 16 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इसे लेकर बीजेपी विधायक नितेश राणे ने उद्धव ठाकरे की आलोचना की है, जिसकी चर्चा अब पुरे महाराष्ट्र में हो रही है। नितेश राणे ने ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे की आलोचना करते हुए कहा- 'गौरी भिंडे ने ठाकरे परिवार की संपत्ति की जांच की मांग करते हुए एक याचिका दायर की है। हालांकि, मनसुख हिरेन, दिशा सालियान, सुशांत सिंह राजपूत की संदिग्ध रूप से हत्या हो गई या उनकी मौत हो गई।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव ( पूर्व ),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com